ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पद (रैदास)

कक्षा - नवी

विषय – हिंदी
पाठ : १
पाठ का नाम : पद (रैदास)
PPT- 02

CHANGING YOUR TOMORROW
Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

पाठ व्याख्या - (पद)

(1)

अब कैसे छूटै राम नाम रट लागी।
प्रभु जी, तुम चंदन हम पानी, जाकी अँग-अँग बास समानी।
प्रभु जी, तुम घन बन हम मोर , जैसेचितवत चंद चकोरा।
प्रभु जी, तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरै दिन राती।
प्रभु जी, तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सुहागा।
प्रभु जी, तुम स्वामी हम दास, ऐसी भक्ति करै रैदासा॥

शब्दार्थ -

बास - गंध, वास
समानी - समाना (सुगंध का बस जाना), बसा हुआ(समाहित)
घन - बादल
मोरा - मोर, मयूर
चितवत - देखना, निरखना
चकोर - तीतर की जाति का एक पक्षी जो चंद्रमा का परम प्रेमी माना जाता है
बाती - बत्ती,रुई , जिसे तेल में डालकर दियाजलाते हैं
जोति - ज्योति, देवता के प्रीत्यर्थ जलाया जाने वाला दीपक
बरै - बढ़ाना, जलना
राती - रात्रि
सुहागा - सोने को शुद्ध करने के लिए प्रयोग में आने वाला क्षारद्रव्य
दासा - दास, सेवक

व्याख्या - इस पद में कवि ने भक्त की उस अवस्था का वर्णन किया है जब भक्त पर अपने आराध्य की भक्ति का रंग पूरी तरह से चढ़ जाता है कवि के कहने का अभिप्राय है कि एक बार जब भगवान की भक्ति का रंग भक्त पर चढ़ जाता है तो भक्त को भगवान् की भक्ति से दूर करना असंभव हो जाता है। कवि भगवान् से कहता है कि हे प्रभु! यदि तुम चंदन हो तो तुम्हारा भक्त पानी है। कवि कहता है कि जिस प्रकार चंदन की सुगंध पानी के बूँद-बूँद में समा जाती है उसी प्रकार प्रभु की भक्ति भक्त के अंग-अंग में समा जाती है। कवि भगवान् से कहता है कि हे प्रभु! यदि तुम बादल हो तो तुम्हारा भक्त किसी मोर के समान है जो बादल को देखते ही नाचने लगता है। कवि भगवान् से कहता है कि हे प्रभु यदि तुम चाँद हो तो तुम्हारा भक्त उस चकोर पक्षी की तरह है जो बिना अपनी पलकों को झपकाए चाँद को देखता रहता है। कवि भगवान् से कहता है कि हे प्रभु यदि तुम दीपक हो तो तुम्हारा भक्त उसकी बत्ती की तरह है जो दिन रात रोशनी देती रहती है। कवि भगवान् से कहता है कि हे प्रभु! यदि तुम मोती हो तो तुम्हारा भक्त उस धागे के समान है जिसमें मोतियाँ पिरोई जाती हैं। उसका असर ऐसा होता है जैसे सोने में सुहागा डाला गया हो अर्थात उसकी सुंदरता और भी निखर जाती है। कवि रैदास अपने आराध्य के प्रति अपनी भक्ति को दर्शाते हुए कहते हैं कि हे मेरे प्रभु! यदि तुम स्वामी हो तो मैं आपका भक्त आपका दास यानि नौकर हूँ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबंधित प्रश्न -

१- कवि अपने इष्टदेव का स्मरण करते हुए क्या माँगते हैं?

२- कवि ने भगवान और भक्त का संबंध किस प्रकार बताया है?

३- कवि को रामनाम की रट क्यों नहीं भूलती ?

४- कवि की भक्ति में किस भाव की प्रधानता है?

गृहकार्य - पाठ का दूसरा पद पढ़कर आओ ।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP